भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

अगस्त 2024

वर्ष 16 सं. 08

30वीं वार्षिक आम बैठक

- भा.वा.अ.शि.प. की 30वीं वार्षिक आम बैठक 5 अगस्त 2024 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने की। बैठक में श्री कीर्तिवर्धन सिंह, राज्य मंत्री, श्रीमती लीना नंदन, भा.प्र.से., सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, श्री जितेंद्र कुमार, भा.व.से., वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अन्य मंत्रालयों के सदस्य और भा.वा.अ.शि.प. के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, दो प्रकाशनः "Factors Responsible for Sal Martality in Jharkhand State" और "Compendium of Sustainable Land Management Practices Vol-II" का विमोचन भी किया गया।

अनुक्रमणिका	पृष्ठ सं.
30वी वार्षिक आम बैठक	01
78वां स्वतंत्रता दिवस 2024	02
मिशन लाईफ	03
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	03
प्रदर्शनी में भागीदारी	04
कार्यशालएं/सेमिनार/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	06
वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधिया	09
समझौता ज्ञापन	09
प्रकृति कार्यक्रम	10
जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम	11
संस्थानों का दौरा	13
मानव संसाधन समाचार	13

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में भा.वा.अ.शि.प. की 30वीं वार्षिक आम बैठक

78वां स्वतंत्रता दिवस 2024

- भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, संस्थानों और केंद्रों द्वारा 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यालय)

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

मिशन लाइफ

- एक–पेड़–माँ–के–नाम अभियान के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों और केंद्रों द्वारा वृक्षारोपण गतिविधियां आयोजित की गईं।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- उत्तरी भारत के शिवालिक परिदृश्य में हेटेरोसेरा (शलभों) की प्रजाति विविधता का आकलन और एक डाटाबेस का विकासः – 6 कुलों से संबंधित कुल 36 प्रजातियों के 804 नमूनों को 3 अवस्थितियों पर एकत्र किया गया और 22 शलभों के नमूने एकत्र किए गए, पिन किए गए और संरक्षित किए गए।
- बांस संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाः मानक भंडारण प्रक्रियाओं के माध्यम से *डेंड्रोकैलेमस स्ट्रिक्टस* और *बैम्बुसा बैम्बोस* के संग्रहीत बीजों की व्यवहार्यता को बढ़ाया गया। डी. स्ट्रिक्टस का अंकुरण 35 महीने की भंडारण अवधि के बाद 77% है और *बी. बैम्बोस* का अंकुरण 37 महीने के भंडारण के बाद 84% है।
- विलायक निष्कर्षण विधि का उपयोग करके नीम के बीज के नमूनों से नीम का तेल निकाला गया। कुल 15 नमूनों से तेल की पैदावार का अनुमान लगाया गया और 36.6% से 45.8% तक भिन्नता पाई गई।
- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग से एकत्रित *स्कीमिया लहरियोला* की सूखी पत्तियों से सगंध तेल पृथक किया गयइं सगंध तेल की उपज 0.48±0-01% (V/W) होने का अनुमान लगाया गया। GC-MS का उपयोग करके पृथक तेल की रासायनिक संरचना का विश्लेषण किया गया और कुल 34 यौगिकों की पहचान की गई जो कुल तेल का 87.53% थे। ऑक्सीजन युक्त मोनोटेरपेन (54.11%) सगंध तेल के प्रमुख घटक थे। तेल के प्रमुख घटकों में लिनालिल एसीटेट (19.51%), लिनालूल (11.71%), β–फेलैंड्रीन (7.75%), गीजेरेन (9.08%), α–टेरपीनॉल (5.76%), गेरानिल एसीटेट (5.55%), और α–टेरपिनिल एसीटेट (4.20%) शामिल थे।
- *स्टीविया ओवाटा* से निकाले गए रंग का उपयोग करके छह अलग–अलग रंगद्रव्यों जैसे फिटकरी, कॉपर सल्फेट, फेरस सल्फेट, पोटेशियम डाइक्रोमेट, स्टैनस क्लोराइड के साथ सूती कपड़े पर रंजन परीक्षण किए गए। सभी छह रंजित नमूने स्थिरता और दिखावत के संदर्भ में सूती कपड़ों के रंजन के लिए उपयुक्त पाए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के वृक्षारोपण में उत्पादकता वृद्धि और कार्बन

पृथक्करण के लिए वन संवर्धन अंतःक्षेपः तमिलनाडु के तिरुपुर जिले के मुथुर गांव में 2 साल पुराने मिश्रित वृक्षारोपण परीक्षण भूखंड में सागौन की वृद्धि पर प्रारंभिक अवलोकनों से पता चला कि शुद्ध सागौन (परिधि–17.9 सेमी; ऊंचाई–7.48 मीटर) और सागौन + कैसुरीना (परिधि–17.4 सेमी; ऊंचाई–6.65 मीटर) के 25:75 अनुपात की तुलना में सागौन + कैसुरीना के अंतर्गत 50:50 अनुपात में अधिक परिधि (20.2 सेमी) और ऊंचाई (7.92 मीटर) वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, 50:50 अनुपात में सागौन + कैसुरीना वाले परीक्षण भूखंड के अंतर्गत बड़े परिधि वाले वृक्षों (20 सेमी से अधिक परिधि वाले) का प्रतिशत शुद्ध सागौन भूखंड (17.3%) और 25:75 अनुपात में सागौन + कैसुरीना वाले भूखंड (25.6%) की तुलना में अधिक (34.4%) था। अंतरिम परिणाम सागौन+कैसुरीना आधारित मिश्रित वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए उत्साहजनक हैं, जिससे रोपण के तीसरे या चौथे वर्ष में कैसुरीना की कटाई के माध्यम से तीन आयामी लाभ, अर्थात i) उत्पादकता में वृद्धि ii) रोपण स्टॉक की आवश्यकताओं को 50% तक कम करना और iii) सागौन उत्पादकों को अल्पकालिक और अंतरिम आर्थिक लाभ प्रदान करना; प्राप्त किए जा सकते हैं।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- त्वरित अनुक्रमण के लिए मृदा सुधार और सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी के माध्यम से मेघालय की अवक्रमित कोयला खनन भूमि का पुनरुद्धारः मेघालय के पूर्वी जैंतिया हिल जिले के सैपुंग ब्लॉक के लात्र्के गांव के पास कुल 6.5 हेक्टेयर परित्यक्त कोयला खनन भूमि को पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले राइजोबैक्टीरिया (पीजीपीआर) और अर्बुस्कुलर माइकोराइजल कवक (एएमएफ) के उपयोग से लगभग 32 देशी पौधों की प्रजातियों के साथ बहाल किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- कडप्पा प्रभाग में रक्त चन्दन (टेरोकार्पस सैंटालिनस) के सीपीटी युक्त एक दुर्लभ, अत्यधिक मूल्यवान लहरदार दानेदार अंतःकाष्ठ की पहचान की गई। आगे के आणविक अध्ययनों के लिए पत्ती के नमूनों से उच्च गुणवत्ता

प्रदर्शनी में भागीदारी

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 22 से 25 अगस्त 2024 तक यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित "मैटेसिया प्रदर्शनी 2024" में भाग लिया और प्रदर्शन स्टॉल लगाया तथा संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में "मैटेसिया प्रदर्शनी 2024" में भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा स्टॉल लगाया गया

कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू			
01.	वन अनुसंधान अब तक–आगे की राह	28 अगस्त 2024	कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन तल प्रमुख और गोवा के वन विभाग के अधिकारियों सहित 250 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान,जोरहाट			
02.	पूर्वोत्तर क्षेत्र में वानिकी आविष्कारों के माध्यम से आजीविका सृजन हेतु अनुसंधान आवश्यकताएं	29 से 30 अगस्त 2024	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों, जेडएसआई, कोलकाता, बीएसआई, जी.बी. पंत एनआईएचई, अल्मोड़ा और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के राज्य वन विभाग से वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों सहित 88 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "वन अनुसंधान अब तक-आगे की राह" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "पूर्वोत्तर क्षेत्र में वानिकी आविष्कारों के माध्यम से आजीविका सृजन हेतु अनुसंधान आवश्यकताएं" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

03.	नाशी कीटों और व्याधियों के उभरते खतरों के विरुद्ध वन प्रबंधन के लिए एकीकृत उपागमः चुनौतियां और समाधान कार्यनीतियाँ	09 अगस्त 2024	वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, हितधारकों और वन अधिकारियों सहित 70 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "नाशी कीटों और व्याधियों के उभरते खतरों के विरुद्ध वन प्रबंधन के लिए एकींत उपागमः चुनौतियां और समाधान कार्यनीतियां" पर कार्यशाला

04.	पवित्र उपवनः जैव विविधता का भंडार	29 अगस्त 2024	संस्थान के वैज्ञानिकों और अनुसंधान कर्मचारियों सहित 37 प्रतिभागी
05.	गैर प्रकाष्ठ वन उत्पादों का मूल्यांकन (एनटीएफपी)	29 से 30 अगस्त 2024	संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी और परियोजना कर्मचारियों सहित 15 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.-वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

06.	सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जैव विविधता अनुसंधाने	02 अगस्त 2024	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, अनुसंधान कर्मचारी और हितधारक सहित प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर			
07.	वृक्ष सुधार	20 से 21 अगस्त 2024	कृषि विश्वविद्यालय, राज्य वन विभाग और भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के 100 अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा “सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जैव विविधता अनुसंधान” पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. कोयंबटूर द्वारा “वृक्ष सुधार” पर कार्यशाला

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
01.	भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण का न्युनन	28 अगस्त 2024	भटिंडा से किसान, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और अन्य हितधारकों सहित 150 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट			
02.	जूनियर रेंजर्स – छात्रों को प्रकृति से जोड़ना	21 से 23 अगस्त 2024	केन्द्रीय विद्यालय, एनईआईएसटी (आरआरएल), केन्द्रीय विद्यालय, एएफएस, रोवरिया और केन्द्रीय विद्यालय, ओएनजीसी, सिन्नामारा, जोरहाट से 20 छात्र
03.	आजीविका विकास के लिए बांस हस्तशिल्प	19 से 23 अगस्त 2024	पश्चिम त्रिपुरा से स्वयं सहायता समूह के 22 सदस्य

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा “जूनियर रेंजर्स – छात्रों को प्रकृति से जोड़ना” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा “आजीविका विकास के लिए बांस हस्तशिल्प” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

04.	शूमैनियनथस डाइकोटोमस का प्रवर्धन और खेती	28 अगस्त 2024	त्रिपुरा राज्य वन अकादमी के 38 वनपाल

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "*शूमैनियनथस डाइकोटोमस* के प्रवर्धन और संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ वन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू

05.	छिद्रक विधि द्वारा फॉर्मेल्डिहाइड मात्रा का निर्धारण	01 से 02 अगस्त 2024	भारतीय मानक ब्यूरो, मोहाली से 02 प्रतिभागी
06.	चन्दन काष्ठ की खेती एवं प्रबंधन	07 से 09 अगस्त 2024	विभिन्न राज्य वन विभागों से 13 भा.व.से. अधिकारी
07.	राष्ट्रीय कार्य योजना संहिता–2023 और भारतीय वन प्रबंधन मानक	19 से 23 अगस्त 2024	विभिन्न राज्य वन विभागों से 19 भा.व.से. अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "चंदनकाष्ठ की खेती और प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "राष्ट्रीय कार्य योजना कोड-2023 और भारतीय वन प्रबंधन मानक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

08.	बांस संरक्षण तकनीक	20 से 21 अगस्त 2024	40 बांस कारीगर

भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

09.	बांस प्रवर्धन और हाई–टेक नर्सरी तकनीक	05 से 09 अगस्त 2024	छत्तीसगढ़ वन विभाग और तेलंगाना वन विकास निगम से 20 वन अधिकारी

10.	प्रकाष्ठ और गैर–प्रकाष्ठ प्रजातियों के कैंडिडेट प्लस वृक्ष का चयन	21 से 23 अगस्त 2024	छत्तीसगढ़ वन विभाग से 17 वनरक्षक

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "बांस प्रवर्धन और हाई-टेक नर्सरी तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "प्रकाष्ठ और गैर-प्रकाष्ठ प्रजातियों के कैंडिडेट प्लस वृक्ष का चयन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

11.	संतति परीक्षण, बीज उत्पादन क्षेत्र और बीज उद्यानों (एसएसओ और सीएसओ) की स्थापना और प्रबंधन	28 से 30 अगस्त 2024	छत्तीसगढ़ वन विभाग से 20 वनरक्षक

भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

12.	नर्सरी उत्थापन और वन्य खाद्य फलों की खेती	08 अगस्त 2024	पालघाट, केरल से 24 किसान

भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा "नर्सरी उत्थापन और वन्य खाद्य फलों की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

13.	विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों की जल आवश्यकता का आकलन और उप–मृदा नमी पर इसका प्रभाव	31 अगस्त 2024	भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून और ग्रीन स्पेक्ट्रम सॉल्यूशन, नई दिल्ली के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और इंजीनियर

वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियाँ

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 13 अगस्त 2024 को वन विज्ञान केंद्र, लौंगानी, मंडी में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण गतिविधि में शिक्षकों के साथ 30 छात्रों ने भाग लिया और हरड़, बेहेरा, टौर, अर्जुन, सागवान और आंवला के 25 नवोद्भिद रोपे।

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा वीवीके, लौंगानी, मंडी में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया

भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा 14 अगस्त 2024 को भा.कृ.अनु.प., कृषि विज्ञान केंद्र, पोंगलूर में "व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों की खेती तकनीक" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तिरुपुर जिले के 50 किसानों ने भाग लिया।

भा.कृ.अनु.प., कृषि विज्ञान केंद्र, पोंगलूर में भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत "व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों की खेती तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- कृषि विज्ञान केंद्र टीएनएयू, टिंडीवनम द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर में 08 अगस्त 2024 को आयोजित "नर्सरी तकनीक" पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में टिंडीवनम, विल्लुपुरम के 26 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, टीएनएयू, ऋटडीवनम द्वारा भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर में "नर्सरी तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

समझौता ज्ञापन

- दिनांक 29 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरु के बीच शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग और सुविधाओं के आदान–प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और माउंट कार्मेल कॉलेज बेंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- दिनांक 09 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला और हिमोआर्ड, खनेरी, रामपुर, शिमला के बीच वानिकी अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण और विस्तार से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला और हिमोआर्ड, खनेरी, रामपुर, शिमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षरें

- दिनांक 22 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर और कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी के बीच गुजरात में नया वीवीके स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर और वानिकी महाविद्यालय, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- दिनांक 02 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट और स्कूल ऑफ फार्मेसी, असम, काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के बीच दोनों संगठनों के बीच संयुक्त सहयोगात्मक कार्य के लिए नए रास्ते खोलने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर और स्कूल अहफ फार्मेसी, असम, काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- दिनांक 11 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर और तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के विस्तार शिक्षा निदेशालय के बीच विभिन्न हितधारकों को थीम आधारित प्रशिक्षण आयोजित करने, वृक्ष प्रजातियों के उन्नत कृंतकों/किस्मों के साथ प्रदर्शन भूखंड की स्थापना और भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को व्यापक पहुंच के लिए केवीके में रखने के माध्यम से विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- जवाहर नवोदय विद्यालय, तिलवासनी के शिक्षकों के साथ 44 छात्रों के एक समूह ने 29 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया। उन्हें नीम पत्ती खाद बनाने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, तिलवासनी के विद्यार्थियों का भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ वन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू

- प्रेसीडेंसी स्कूल, नंदिनी लेआउट, न्यू बाल्डविन इंटरनेशनल स्कूल, टीसी प्लाया, द इंडियन पब्लिक स्कूल और थिरुमाला विद्यानिकेतन स्कूल, बेंगलुरु के शिक्षकों के साथ 483 छात्रों ने 01, 02, 20, 21, 23 और 28 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, पौधशाला, काष्ठ संग्रहालय और उन्नत काष्ठकर्म प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

न्यू बाल्डविन इंटरनेशनल स्कूल, टीसी पाल्या, बेंगलुरु के छात्रों का भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा

भा.वा.अ.शि.प.– वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 8 से 9 अगस्त 2024 तक व्यास स्कूल, बौरामपेट, हैदराबाद में "जैव विविधता और संरक्षण" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ 124 छात्रों ने भाग लिया।

व्यास स्कूल, बौरामपेट, हैदराबाद के छात्रों का भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., हैदराबाद का दौरा

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा 28 अगस्त 2024 को केंद्रीय विद्यालय, समस्तीपुर में "पर्यावरण जागरूकता" पर प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया और उन्हें प्रकृति संरक्षण के उपायों के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- नेशनल टेलीग्राफ गर्ल्स हाई स्कूल, जोरहाट के शिक्षकों के साथ 42 छात्रों के समूह ने 16 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्हें संस्थानों की अनुसंधान और विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

नेशनल टेलीग्राफ गर्ल्स हाई स्कूल, जोरहाट की छात्राओं का भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- आनन इंटरनेशनल स्कूल, कलापट्टी, कॉरपोरेशन गर्ल्स हाई स्कूल, सेल्वापुरम, श्री विश्वेश्वर विद्यालय, मैट्रिकुलेशन हायर स्कूल, कोयंबटूर मैनचेस्टर इंटरनेशनल स्कूल, पलानीअप्पा इंटरनेशनल स्कूल, अविनाशी, सेंट उर्सुलास एंग्लो इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल, चेन्नई, स्मार्ट मॉडल स्कूल, तिरुपुर और अप्पू अरिवेलियम सीबीएसई स्कूल, सेलम, कोयंबटूर के शिक्षकों के साथ 680 छात्रों ने 1, 2, 6, 12, 16 और 23 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया। छात्रों को मानव पशु सह–अस्तित्व, जलवायु परिवर्तन, कृषि वानिकी, खाद्य श्रृंखला, डीएनए फिंगर प्रिंटिंग और आनुवंशिक परिवर्तन की मूल तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, ऊतक संवर्धन और डीएनए फिंगर प्रिंटिंग और आनुवंशिक परिवर्तन पर व्याख्यान भी दिए गए।

मैट्रिकुलेशन हायर स्कूल, कोयंबटूर के विद्यार्थियों का भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा

जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन ग्लोबल कॉलेज, एचएसआर लेआउट, बेंगलुरु के संकाय के साथ 09 छात्रों के समूह ने 05 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, पौधशाला, काष्ठ संग्रहालय और उन्नत काष्ठ कर्म प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

नेशनल इंस्टीट्यूट अहफ फैशन डिजाइन ग्लोबल कहलेज एचएसआर, लेआउट, बेंगलुरु के छात्रों का भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा 09 अगस्त 2024 को कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, इरुवक्की, शिवमोग्गा, कर्नाटक में "साइलेज निर्माण" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यूएएचएस के छात्रों और इरुवक्की, शिवमोग्गा के किसानों सहित 92 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- छत्तीसगढ़ वन विभाग के 48 वन रेंज अधिकारियों ने 05 और 21 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान के संग्रहालय सह व्याख्यान केंद्र में प्रदर्शित भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं. प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया गया।

छत्तीसगढ़ वन विभाग के 48 वन रेंज अधिकारियों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

- चंद्रपुर वन विभाग के 25 वन अधिकारियों ने 21 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया और उन्हें कीटपालन गतिविधियों और वन नाशीकीटों के जैविक नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गई।
- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 30 अगस्त 2024 को उसेथ गांव, अंबाह, मुरैना में "खड्ड भूमि के पुनरुद्धार" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंबाह, मुरैना और आसपास के क्षेत्रों से 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश और बोस्को संस्थान, जोरहाट के 34 छात्रों ने 12 और 22 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्हें संस्थानों की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के छात्रों का भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा

भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा 29 अगस्त 2024 को रायवाला में "हरित कौशल विकास कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह, रायवाला की 50 महिलाओं ने भाग लिया।

उत्तराखंड के रायवाला में भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा "हरित कौशल विकास कार्यक्रम" पर जागरूकता कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- श्री नेहरू महाविद्यालय कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस और तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के संकायों के साथ 117 छात्रों ने 05, 07 और 12 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया। छात्रों को कायिक प्रवर्धन तकनीकों पर व्याख्यान भी दिए गए।

श्री नेहरू महाविद्यालय कह्लेज अह्फ़ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर के विद्याणथयों का भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा

भा.वा.अ.शि.प.- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- चंद्रपुर वन अकादमी, महाराष्ट्र के 30 वन रेंज अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 28 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

चंद्रपुर वन अकादमी, महाराष्ट्र के 30 वन रेंज अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

- इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वन आकादमी, देहरादून के संकाय के साथ 58 परिवीक्षाधीन भा.व.से. ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का 28 अगस्त 2024 को दौरा किया। उन्हें संतति परीक्षणों, रोपण स्टॉक में सुधार, ऊतक संवर्धन के माध्यम से वृहद् बहुगुणन और वन वृक्षों के कायिक प्रवर्धन, जैव उर्वरकों, नीम खाद के माध्यम से अनुसंधान गतिविधियों जैसे रेत के टीलों का स्थिरीकरण, खारे भूमि का पुनर्वास, अवक्रमित पहाड़ियों और जलभराव वाले क्षेत्रों का पुनर्वास, आनुवंशिक संसाधनों और परिवर्तनशीलता का संरक्षण, आनुवंशिक परिवर्तनशीलता की जांच के बारे में जानकारी दी गई।

आईजीएनएफए, देहरादून के 58 परिवीक्षाधीन भा.व.से. ने भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

संस्थानों का दौरा

- श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. के गैस वन संग्रहालय का दौरा किया और उन्होंने 21 से 20 अगस्त 2024 तक भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर में बीज जीन बैंक का उद्घाटन भी किया।

श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

- फीनिक्स फाउंडेशन, महाराष्ट्र के लोगों के समूह ने फीनिक्स फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री पाशा पटेल के नेतृत्व में 28 अगस्त 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के बांस पौधशाला, बांस वाटिका, बांस सम्मिश्र केंद्र, बांस चारकोल इकाई, बांस उपचार इकाई और बाह बाथिका का दौरा किया।

फीनिक्स फाउंडेशन, महाराष्ट्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्त

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री सुभाष चंद विश्वाश, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.08.2024
श्री के. गिरीसन, मुख्य तकनीकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर	01.08.2024
श्री गणेश राम, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.,देहरादून	31.08.2024

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री पी.एस. श्रीकांत, वैज्ञानिक–बी, भा.वा.अ.शि.प. –व.व.अ.सं., जोरहाट से भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद	07.08.2024

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री गणेश राम, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	30.08.2024

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री प्रमोद चंद लाकड़ा, भा.वा.से. (महाराष्ट्र:2010) उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची	30.08.2024

संरक्षक:

श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

हिन्दी संस्करण:

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

सहायक:

श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान:

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यत: प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।